

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 10 मई, 2010

विषय: राज्य पशुचिकित्सा परिषद् (50प्र०के०स०) योजनान्तर्गत बजट अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-15/नि०/वैट०काउ०/बजट/2010-11 दिनांक 01 अप्रैल, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त योजनान्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में राज्यांश के रूप कुल रूपया 15.45 लाख (रूपया पन्द्रह लाख पैतालीस हजार मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर प्रादिष्ट किए जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रु० हजार में)

क्र०सं०	मद का नाम	जारी स्वीकृति
1.	01-वेतन	900
2.	03-महगाई भत्ता	315
3.	04-यात्रा व्यय	25
4.	05-स्थाना० यात्रा भत्ता	12
5.	06-अन्य भत्ता	99
6.	08-कार्यालय व्यय	10
7.	09-विद्युत देयक	10
8.	10-जलकर/जल प्रभार	05
9.	11-लेखन सामग्री	12
10.	13-टेलीफोन व्यय	12
11.	15-मोटर गाड़ी अनुरक्षण	50
12.	18-प्रकाशन	05
13.	27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति	50
14.	42-अन्य व्यय	25
15.	46-कम्प्यूटर क्रय	03
16.	47-कम्प्यूटर स्टेशनरी	12
योग		1545

(रूपया पन्द्रह लाख पैतालीस हजार मात्र)

- (1) स्वीकृत धनराशि का उपयोग समय-समय पर शासन द्वारा जारी मितव्ययता संबंधी शासनादेशों व वित्त हस्तपुस्तिका में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत किया जायेगा तथा केन्द्रांश प्राप्त होने पर धनराशि को समायोजित किया जायेगा।

- (2) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (3) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम० 13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (4) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन-आयोजनागत-00-101-पशुचिकित्सा संबंधी सेवायें तथा पशुस्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0101-राज्य पशुचिकित्सा परिषद् का गठन (50 प्रतिशत केन्द्र पोषित) नामक योजनान्तर्गत सुसंगत मानक मदों से वहन किया जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-04(P)/XXVII-4/2010 दिनांक 04 अप्रैल, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

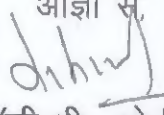
भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव

संख्या: 1037 (1) / XV-1/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार उत्तराखण्ड।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल नैनीताल।
5. रजिस्ट्रार, वैटनरी काउन्सिल, देहरादून।
6. जिलाधिकारी देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
8. मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
11. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
13. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
14. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव

1005006